र्मित्रायेश्वाया

७७। । गुरु सिहेद के विश्वाम्यायायाय दि न न न मान्यायाय सिव्याय दि सिव्यायाय सिव्याय सिव्याय सिव्यायाय सिव्याय सिव्याय सिव्यायाय सिव्याय सिव्या कर्याणिया दियारीयाणेश्वामुक्तियो प्राविष्ठित्रहें वरा मुह्म क्षिया विष्ठित्रहें वरा मुह्म क्ष्या विष्ठित्रहें वरा मुह्म क्षिया विष्ठित क्षेया विष्ठित क्षिया विष्ठित क्षिय क्षिया विष्ठित क्षिय क्षेय क्षिय क्षेय र्ध्यायकत्। यदेरासर्दे देवायाववार्स्ट्रिटान्तु सान्दार्थ्यायार्देवार्से हेवे द्वायाय्वेरायादेशः बुर-रु-पर्वेष-पर्दे हैं वर-प्रगयन्त्र कुर-विश्वायुन-समय विर्मय रु-रु-पर्वे ळुवायामहिषा हे सुराजुरानदे छुवारा मान्व र्रेट्टा मान्व रेट्टा मान्य सेट्टा मान्य सेट्टा | १८८ में ते। वैवासर गुत्र श्रूट श्रुवास हे न हैं त त्युस ग्रीस वार्ड ए वी है से तर पुर्वित यानन्न। हेशाशुःगुवासिवार्नेयार्थाया केवार्यसाम्यानासम्वेरार्श्रेयामु केरार्श्वयानावसः न्तुः अवे क्षुः नवे तिरावे नगवादि किरावे वा अध्ये राधे वे अर्दे खे के कु वा अर्थ गया प्रवे न्वीन्यामा मुयाळेना गुय्यामा स्वीन्योयामा सर्वे मुन्याहेया वर्गेन्याहेया कुन्त्रः संभे के साधान्य। वसवाया सकेवा सुभूता वनया ग्री न सून केवाया वाविवे

भ्रम्यश्रुःह्याः उदाह्याः देन वया श्रीः भ्रम्यश्रुः वययः द्रम्य वययः द्रियः शुःभुःगशुस्रायःशें सें रानर्हे रामा सुः नार्रा में रें रें दे से त्रानर्हे राम इस्राया ग्रेस येग्राराम्यायायविद्वित्रेष्ठ्रा विग्राराधेन्य निव्यायाष्ट्रेत्र भुष्यकेन्या क्षेत्र वर्चर-र्वर्गित्रक्षान्य हिंद्र्य ग्री व्यवस्थ वर्ष्य विवाद प्रिक्षे प्राप्ति वर्ष ग्री वर्ष ग्री वर्ष डेट कुळेर श्रेय वेट। र्वेट रुश्ट्र राधे प्रत्या है या गर विवस्त स्थित सर्वे प्रत्य नभूत नर्डे या समय प्यापा प्रमुन विदा । विदाय में शुन माम के वे र्रे नि नर्धे न यह व्यथ्यः हैवा के क्वें व्यव्यक्षियः द्वाया क्षेत्रः व्यव्यक्ष्यः के व्यव्यक्षः विष्यक्षेत्रः विष्यक्षेत्रः विष्य नरुरायाग्यम् नर्यान्त्र न्यायायाय नर्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में व्याप्त न्या व्याप्त न्या व्याप्त न्या व्य वःयःने छेन् यथाय् अर्दवः श्रीः अविवःतुः वर्षवः विः वे रहेन् स्र श्री वायः व्यान्यः स्वान्यः यदे नगवन है श्रुट राजा श्रीवाशासर न १८ यदे श्रीवा कुत इस्र शाय सेवा वितासर

वसनार्थाणुवानु बुद्दार्शेन्याणेदारावे गुनासववान कुन्वहेदासकेना दसरा सुद्दाद्दा नकुन्। गुनक्रेन् भुः संनिष्ट्रिन् हें देन्य न्युः स्रो नेवर भुः संनिष्ट्रिन् हें हे। न्द्रभी क्षापर्त्रेत्रमा ध्रेशस्य पुर्वित्रम्भासक्ष्य न्द्रभास्य क्षाप्ति। स्वापद्वितः र्शेग्रास्त्रास्त्रास्त्रात्रास्त्रेत्। पिक्षेप्रहाकेत् त्रानासर्गेत् र्भेष्यस केराद्याद विवा पार्यत्र त्त्रासमित्र में क्षेत्र स्रित्यावसाया नहेगासायसात्र स्रापित्र सूत्र प्रेत्र स्रित्य स्राप्त राष्ट्र नठर्भामान्द्रा क्रेंब्रामार्थ्यायवाद्याद्याद्याच्यायवाद्यायवाच्यायवाद्यायवाद्यायवाद्यायवाद्यायवाद्यायवाद्यायवा वयानश्चिययापयाहिषायापानहेया गवदाश्चिरामी क्षानाश्चरायापानमा सरिदानेया यदयःविदःगुःर्रमाददःशुःगदःश्चयःपःश्रेम्याश्चयःग्चुयःवश्चरःतुःयःयह्दःप्यशःगुवःर्वेवःग्रेः यामिनेग्रा हैंनासासरारें र्वेदारादे गर्डे र्वेद्वे श्रूराइहे भूर हो गुन केदायासरय

नदेःग्विटःग्वन्सर्भःन्ग्वस्थः उन्द्र्युनःर्थे हेःशुः द्वंतः श्वार्याश्वः द्वन् स्वर्याः स्वरः र्निकेष्वावर्षान्त्रः विष्ट्रात्ता वार्षान्त्र्या र्यायित्रः याञ्चेत्राराञ्च्यार् विष्ट्रा याचित्रः र्यः विष्ठः होत्यह्यः प्रद्या शुर्थः युर्या स्वायाया ध्या हिया हिया स्वायाया । नेवे नु केव वया यापय वें न नेवे क्षें न या इसे भू मवे ख्राया के ये के न वया यापय मुयासळत्। ने यार्श्वेन नु यहसामास्य ने सामनार्देन मे यने प्यत् कन नु सामिन नगवर्देग्। ग्रम्। वह्रअःग्रथ्मः त्र्रान्त्र्रम् व्याप्त्रम् शुः र्वेदः न्यम् ग्राप्त्रा देवेः र्वेद्वान्यम् । सिव्यक्ति स्थानित क्षिया स्थानित स्थान र्हें हेते ह्या वर्ते मार्श्व माया व्या व्या व्या विष्ये विषया का क्ष्या समाप्त विषये विषये विषये या गुरा से समा मुया नाये भे मा ने या है मा ये हैं ना साम मान सह ता पिता हता मु सर्वे। नेवे क्रिनायागुव यहिव केव में नियामें पाने यान्य कुया यळवा हे पेनिया सुपदे वापवे यायश्चायःश्वार्ष्वः भ्वार्ष्वः व्यायश्चार्यः स्वायः ग्रीः क्वियः मुः केरः वायवः केरः विदः परः दः श्लीः

क्रेंत्रव्यस्य न्त्रम्य म्यायया स्वाय स्वर्धित व्यय स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर् <u> न्तुर्या वार्ष्ट्र इस्य श्रायुः श्रीर्या सहन्। यस्य स्थायाय स्थाये वार्या याया स्थाये वार्या याया वार्या वा</u>र्या विना श्रे केंद्र यथा ननद्र मुर्र रूप अप स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वय ग्री ग्राम्यया प्रायय प्रायय विषय के या खुर के ग्राय दे या प्राय के दान ग्राम्यायायायायायात्रेत्रायमः हिर्माया वर्ते । प्यतः कर्त्तात्राः अप्तिः क्रियायमुत् । वर्षेत्रः प्यायायायायाय गुर-दगुर-लें से गडिग-दुस-हैं दर-दु-सेनस-दस-सामस-नर्द्ध पेंद्व-पेंद्व-मु-सर्के प्यस-ननरन्द्रमान्ययायानुस्यान्त्र। विद्रायम्तुन्यायिम् विद्रायम्तुन्यायिम् विद्रायम् याग्यवा नेवयान्त्रमहें वरायदे केयान मुन्या बुग्या है हे दे द्या वर्षे रार्श्वे राया

ग्वरःरे केंग्रारेश देव कु अर्के श्रेग्रायाव्दा प्रान्यया प्राप्ता में भ्रूग्राय केंग्राया प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता यवर। अविश्वासास्य में व्यान्त्रायि क्षित्र क्षेत्र विश्वास क्षेत्र विश्वास विश नः इत्यः नुः निर्देव वयः माशुम्य। क्षुः नुः स्रदेः वयः मात्रे मायः पः नमः। सुदेः नर्गे नः पाशुसः त्राम्हेनायान्रह्नायार्थेन्यायान्त्रम्यायान्त्रह्नायान्त्र। क्षेत्रायायान्याया ग्री मालुर न निरास्त्र प्राप्त प्रमान्य क्षार्य क्षार्य के स्वर्थ प्रमान्य विद्यार प्रमान्य विद्यार प्रमान्य विद्यार प्रमान्य विद्यार प्रमान्य विद्यार प्रमान्य विद्यार विद्या धूना हैं अ नव्द न्य अर्कें द अविश रहं य न शुअ रहे अ कुय न श्रुद में द में के अ के म ग्रयायम्यम्य श्रीम्र विष्यायायिक स्त्रिम् स्त्रम्य स्त्रम शु'ग्रेग्र'म्। हे'ग्र्र्याय्यायायः ग्रुटा कुनः ग्रेयायह्यामये प्राप्त प्राप्त स्थायः र्शेग्रार्श्निसर्स्य निवास्य विवास्य विवास्य विवास र्थे दूं न हैं में अन्ययन्त। अन्य नाय है यह के वा विश्व मुन्य अभागे मुन्य

र्धियायाययात्रयात्र्यास्यायायाय्येताययाय्ये।सूत्रःश्चित्राययाययाय्ये। र्धेग्रायाययात्र्यात्र्याते याञ्चरात्रेतायाहेरायहराययाययायात्रेता हेता सरमावनः क्रेंट में भ्रम् राष्ट्रमारायायाय विष्टा त्राहे विट तुः क्रेंट पर से नराया देवा से कितः र्वेश शुर रेग्राश ग्रे विशेष ग्राप्त अस्त राम्य शुग्राय थिया थे यहे या से दाय से सिंह विशे हैं य सर शुर हे सर्रे स्वारा शै निवर पर दु साद हिंदा सर दु दुरा विदेश शि द्वर हिंदा ह्मिश्रास्य म्याश्वा गुवासिवातुः क्षिवाया यादा के सामान्य विस्ता हिसा स्यामेटा गुर्वे साम्येवा सहर्छित। सर्कंर्णीः जाबुर्सर्भे नहस्स्या देवे क्रिन्स्य स्वत्रम् ज्वादान्य विशाम्याशास्त्रे अप्रशासके वार्षे प्रेति हैं महास्राउदा अधिवास हैं दापा प्रशास्त्र मुंग्राय्यम् इस मुख्यायम् नुमायित्र न्ता १ नुमें व गाव न्याय प्रयायम् मुव र्शेग्राश्च केर ग्राया ने भ्रित कर त्रा गुत सिव रेंग्रिंग रेंग्या प्राया श्राया मुस्य ग्री भ्रीत यश्यी कुत्र यश्रापानि वेर्षे द्राप्ति स्त्र प्रम्य द्राया द्रायी प्रवित्र वेरि क्षेत्र के व्या कुत्र यी प्रमूत

यान्यान्य अपने कुन् कुरके रायमेया नियान कुन्य सिन्य वनवलियाने अधिकार्धिकारायमा हे मासु हैं निरामाहे गुन्द्वावर्धिया अर्केवा दर्भ <u> चित्रप्रात्र्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मुर्ग्यम् मु</u> यात्रयात्रास्य स्कृत् भी राहा के दार्थे हूं रात्रुवा क्षे हैं विदाहे वहुंदा क्षेया विदेश में विदार्थे या ग्वितः र्रेटः द्रुः अः केतः रेदिः शे क्षेत्रे सुः द्रुट्यः र्रेष्ट्रिण्यः ग्रेः श्रुः ग्रुतः हुः श्रुतः यरः र्रेष्ट्रिण्यः यदे अप्रकार्ख्याम् शुर्याम् इस मन् स्व द्वारा निया स्व दि स्व विषय स्य स्व विषय स्य स्व विषय क्री गुव वया व्यवस्था वया या या या यह न हमा यह व सुव क्रिया या क्री र यह या य हेव नवेरमान्ये न्या न्या है वर स्वाम्य ग्री नमूव नहें मासर में दे पर नमूनमा कैंगश्रायदर्भेवार् कुश्नेरा गर्दर्य हे श्रेन्गा स्वस्व हैं रान्तर्ये नर्ये सर्केन्'यर्ज्यानमा स्वामानिकाग्री'क'त्रमानिनहेन्'केत्र'रिनेन्व'यसम्मान्वान्य' रेगान्दर। में राकाश्वारादराक्षे रें राके गाकुया धें ना सके राव हेया क्षान्य वा स्वारा के वा राक्षा है या स्वारा

र्वेन्-नुःभ्रम्भान्यःम्यार्थन्।भ्रेन्भेन्-ग्रेन्भेन्-न्नन्वस्यिमान्यःभुवासेन्-वर्धेन्।न्ने ळन'गठेग'न्त्र्रभ'गठंद'गे'र्स्रुग्रभ'र्श्वे व्यद्याये'र्केश्वे अ'र्थे'अद'गठेग'ग्रद्ये अ'र् हे निर्वेदिश्वाके र्वेश इसस्य निर्वेश सम्य म्यान्य सम्य मुक्त निर्वेद स्वाप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स गुर-रुम। अर्दे विस्रस् है बर-रुहें वर-गुव-सिवेद ग्री-र्स्निन रुम् निम्निन से देव केव न्ययः श्रीशानन्यायदे न्योव पान्य। ने यशायसेया नदे न्योव से स्रास्ति स्रास्ति । र्रास्यायाम्यापाकुरात्रावत्यायानेरा। याववार्द्वेरात्त्रायावे स्थायान्ये रेयास्याया श्चेयाम्बुसाग्चेर्याम्ययान्यः सहन् पान्यः सहन् प्रविवादाः विवादाः विवादाः स्रोत्रा गर्डर वगारा न्द्र मुखा नवे न्वर में स्टा गुर में हो। गुव अधिव दे और वेंद्र ने स से गरा ग्री'गाशुर'रन'इसम्'शु'क्ष'नदे'गात्र प्रतुत्रेसिरसाधीत्र'म'र्ने क्रेम'गामय'नरसहर् हर नेवरारेशार्देवासवराष्ट्रमारुःमार्यायायरावयाग्रीसायवेशायाग्रिदासराहेवराग्रवास्रोवरा

यनःश्रमःनकुन्यःन्नरम्याववनःश्रिनःनतुः सः केवःरिवे ने सः दिन्धे नः से व्यापा रोहेंदे:श्व-निव्यत्यायश्चित्राय्येयायाय्याय्येयाः वार्य्यत्याय्येयः स्त्रेत्वाः स्त्रेत्वः स्त्रेत्वः स्त्रेत्वः र्शेग्राश्चाराण्यात्राच्यात्रा केव में निर्देश निर्मा स्थान निर्मा क्षेत्र भीर मिन्र केव भीर में मार्थिय केव स्थान में मार्थिय केव र्रे के नियम हे मान्या व्याय अर्थे वात्र भी वात्र भी के कि मान्य के नियम के नि नठर्याम्यानेयानेतान्तुः यदे मेराखुन्यायान्यया विराक्त्यायम् श्रेयानायने छिराने। |गिर्वेशनादी| ने प्यन्ने विन्गुवायिव स्वित्र स्वित्र स्वित्र म्यूवायर्थे सानेशनेव सुन्य स्वित्र स्वित्र स्वित् नविव नवगाने। कैंश वस्त्र उर्धिव स्याम् रेव नस्य प्रेश निव पर्म न नहव मा बेर बुगामा ने हेर गुव गावे पर इस के राप्ता थे के रागहेरा सु के रागहेरा से के रा थेव डेटा ने हेन नेव नयर के अहिन शे ने मैंव अके मामश्र अन्ता ने हेन महव मार्थे गुरुष्ण विराधर प्रत्वारा प्रदे प्रविद्या रेगा प्रवेर से प्राधित से प्राधित से प्राधित स्था प्रति । प्रेप्त प्र

ग्रेन्यश्क्रीरार्धे प्राप्त रहायविवात् ग्राम्य रायवे से ग्राया स्त्रा स्त्री स्त्रा स्त्री स्त्रा स्त्री स्त्र रैग्रायानम् स्यायान्य निर्मेष्य विष्य के पार्थ पार्थ पार्थ प्रमेष्ट प्रमेष प्रमेष्ट प्रमेष प्रमेष प्रमेष प्रमेष्ट प्रमेष प्रमेष प्रमेष प्रमेष प्रमेष्ट प्रमेष नव्याशः र्द्धः प्रा दे हिरायां वे त्या ह्या हु । तत्या शाया स्था वे शाया या हवा शे श्वराय र वर्देन्'हेन्। ग्रिवेदे'ग्रव्याक्याकुंयाने स्वराधेवायाने हिन्स्यावर्धेराज्या ग्री सेयायया ह्या शु:ब्रुट्शःमशायव्यशःवु:क्रिंशःहेदःग्री:श्रुःसदिन:वु:पश्चरःख्याःश्वाशःक्रुशःपरःवश्रवः डिटा ने इसस्य गुरने प्रविव पाने पास्य रिक्षेट रिवे सर्ने प्रवे से से के रे सर्ने प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे नेशक्षरानः मुन्योः अर्रे प्रा प्राया सेरा से द्वेति पर्रे दि सर्रे प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया से प्राय से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से से प्राया से प्राय से प्राया से मासेन्यम्यक्ष्र्वायवे सर्नेन्या ह्यान्वायस्य विस्थित सर्वे सर्नेन्या स्वार्थे केन्या न्गेवि' अर्केवा 'वर्रेवार्य 'प्र'न्त्। वार्य र 'देन्' न्य 'प्र'र्येवार्य 'य्यय वार्यय 'प्राय्य प्राय्य प्राय्य निदा नगवन्त्रः अदे दर्गेद्रायने या कुत् सुर स्वेया स्वाया प्राया स्वया स ग्रैशन्तुः सायान्रेहेन्यार्शेषायाग्रीयाग्राम्यायम्याप्रवायन्याययायया वर्षेत्रे स्वेरहा र्धेग्रामान्यकृते महमासुमान्दानुहासुना सेसमान्यम्समारीमान्वेदारा स्वित है सा वेंगानाधेत् ग्रेमा गुतः हैना ग्रे कावने समया ते ना हैना कन हैना नगण हैना है कें'नदे'क्रेंद'रा'णे'न्यायेद'रा'वर्देद'रा'न्याय्येयाम्या ग्रीयाम्यायाया नम् नुःनः धेव दे। विकागशुम्कामा प्रमा प्रमा सहसासमिव मेव में केवे निश्व निर्मा विकामिका ठुःगुव्राष्ठ्रवायम। ठुस्रमायदेः द्वीद्रमायार्ष्ट्रवायासे द्वायर्षेत्र सकेदः ग्रीसावग्राय। इत्यादर्हेतः यःश्रीयाशः श्रुस्रशः केंशः ५८: रेविः ख्रायाश सम् रः श्रुयाशः मेवाः विवासः रेवाः ववाः कवाशः श वगा सेन प्रश्ने कुन सुदे नर्गे न्या से। युव सेन युव सेव र्ये या केन नेव न्या खुवा बेवा श्रेंशाज्याणे भेवारे पी केंबा हेर ख्या रे या श्रेंग्जूर दे अवर वज्या रुर पेंदा

गुवः हैन विष्यः भूट रंभ धेव दें ने भ रेंटा के भ हे द वशुर से द दें ने भ रेंटा से वा गुव-नहग्रास्य सेन्या विव-नन्य गुव-हिन्य धेन्य धेन्य गुव-हिन्य सेन्य गुव-निव-न्य थेन्। ।ने गशुस्र निम्मराधेन ह्या थेन हें या सेन थेन्। । सेन निम्धेन निम्मराधेन ह्या थेन्। । सेन निम्मराधेन हें या सेन निम्मराधेन हो । सेन निम्मराधेन हो सेन हो सेन निम्मराधेन हो सेन हो सेन निम्मराधेन हो सेन र्श्वेट्स हिट्टा । अळव हेट्से न देव द्या दें केटा । ने हिट्टी के का ग्राम्य का किट हिट हेट्स श्रेम । शियः द्वराल्या योयः सराहर्गायः हिया श्री । क्रिमान्या या वर्षे या वर्षे या विश्व गश्यःश्वरमा श्विमः ज्ञानः ह्याः पाळः से दः गुदः दर्शे रः चले द्वा । इसः चल्याः गलदः दयाः रोसराउँसारान्दासम्बा । इसाह्व इसाने यादे रिंग निवास । क्रिं भी प्रायास्य वर्तरावे पोश्वेशकित्। वर्तवायानवित् यारावर्त्रशासा स्वाराधिता विवारमा रहिता र्रेन्श्रुप्ते श्रुविष्य्य विष्या । यावव श्रेन्य म्याव हिन श्रेन्य हिन स्रिन्य । यह या नवगःर्शेषाः अवदःदर्गेगाः यः छिनः यमः सेन। । हेषः वैनः वः सूनः केषाः हेनः येनः सेनः नः । न्ध्रन्थ्यवर भेश्वेश्वर्यं व्याप्त व्याप्त वित्र । दिव न्याप्त विव प्राय्य विव स्थाय्य ।

मदी । येन नगण रंया ने ने या क्रें मधीन मम पर्ने ना । याहे या क्रें मधीन यो ने या हो न यायहँग । अर्ने : भूगाया अळअया श्रें राज्या से वित्य श्रें राज्या से राज्या स ख्यायायदी सेयया उया विया । ज्यया पाव्र में याया से दायके दाय स्वाप्त स्वाप स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्व स्वाप त्र्यायश्रवावयायाये क्रिया स्वाप्ते हिता स्वाप्ते हिता स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वापते स ग्विटःस्रवःकुःभ्रमः त्र्याः क्रदेः हेशः क्वेंशः श्री । स्थित्राशः विवःश्वरशः वशः शक्रंदशः धमः वह्याः यर रेगमा विमागशुरमाय भूर रे । यरे रेव मावव रेव र प्राप्त सामा । भूगमारे व र्हें हें दे स्वावर्रे रागितेश । इटावह्या दे विश्वायाविव से टाये। । वश्व रागाध्य देटा वनरःशुरःहेम । हेशःराविदायावशःश्वनःग्रीरःस्र इस्रशःश्चे मश्चरः रनः वर्शःहे नरः नितृषाने महायद्वे क्रिं के महायदाया इसका ग्री महायदाया के का के महूका नर्गे द मशुः इं प्यक्षा नगेरी । नगेरी । नगेरी ।।।।

७७। । वयः म्हार्मे अपदे तारे तारायः श्रीता से पत्राया स्थाप्त । वर्षे पा प्राया । वर्षे पा पा प्राया । वर्षे पा प न्तुः अर्म्स् क्रिंद्रः वाववर् क्रेंद्रः विश्वः संवे देव। । धेंद्रश्रःशुः ग्रामाश्वः द्रद्राः स्वाः स्वाश्याशः श्रेषः गिर्देश | दिः प्यदः रूपः देशे वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स त्रुगार्नेत्। भ्रिःश्चरावर्याश्चरियारावे स्वायायात्रा । श्चर्यायायात्रायाया नहेव वशा । श्रें द हेद सेद नगण प्रत्याय प्रत्याय प्रत्याय हैद हैया । प्रिया सेव ज्ञाय प्रत्याय स्थाप स्थाप स्थाप न्तुःसरःनवेन्। ।नेःसरम्बर्म्यस्य न्त्रेसम्ब्रेसम्ब्रेस्यन्वेन्तः ।। सेम्यस्य विनस्य न्त्राः यायानीया वित्यसर्वे सैवायान्त्रायान्य कुन्या विवादर्वे मर्थेन्त्र स्ति स्त्राय गहेशायश् । येदारेदार्नेदार्शेयशाउँयात्त्रयानह्वायम्। । गाववार्द्वेदार्म्या त्रम्माराष्ट्रेरा । क्रिन्यिय विक्रायम् । व्यायम् । विक्रायम् न्यायः नदे नम्यानह्या सर पुर्वित्। नि श्रेर गुव सिव्य के सारी प्रमुद्द यावस श्री। निगय

वशुरान्गराळग्रार्वेरानुवे विशेषिरानु । विष्याशुःग्राम्यायायाये । प्राप्ते । प नर्गेन्। क्रियागशुरायिं रायें नराया इत्यानये देव। वासारे या देवासवराश्वापः नर्वित्या । गुत्र अधितः हैं से वित्य प्रेने नर्वित्य हैं। । ग्रावितः हैं दाविका प्रविश्वा के वादे विका नश्चम्या । भ्रे नश्चित्रहे हे दे तदी त्यानमाना सामदा। । शुःश्चन हिमाया से दानिया साम 55.21 विश्वाले व में दे दे दे त्या श्रास्त्र स्था महा विश्वालय स्था महिला है दे ते स मेनश्रास्त्रात्रात्रा । सन्दर्गात्रस्रश्रातेन श्रेट र्सेट र्सेट र्सेट रियानिय । सुः श्रुवानिवश्योः कैंशकिन केंद्रास्त्र कें या का यहिंद्र पदिवाया। दिनें किन् सेन पदा पदा प्राप्त के या कें अं उद नाराया नदे हैं मां का नार्डें मां यदें दें मां । नावद हैं मां मां विश्व से मां में से से से से में म नन्ग्रा । शेस्र १९८ न्य राष्ट्र १९८ हुन १८६ वा १८५ वी वा विष्य १८१ हैं ५ १४ स हुन र्देवाओ हिंगाया। यानर्देश हत्य यमः नविना व नाहेश गानिवा। गाइ गाँ कंट में पिश

येवाया । गुवार्ट्या महार्थे महिता महायाववार्थे महाविया महिता विश्वासुयाम्बरम् । नरार्स्ट्रिटानुसार्स्ट्रेटाकुणीयासे स्ट्रिटासूर। । नरार्टार्टार्नेयार्स्ट्रेटा यासे निवाना सेत्। वित्रान्त प्रदेश स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्व शुः सेन् प्रते थे भे भ र्थेन । म्ह र्ह्मेन इस न्वान्या भ र्यो म्यान्य स्थान्य । म्या स्थान्य । स्य स्य स्थान्य । स्य स्य स्थान्य । स्य स्य स्थान्य । स्य स्थान्य । स्य स्थान्य । स्य स्य र्हें हेरे नवेर नवेर में रावे। । शेस्र में राक्क कर क्षिण्य सूर पर ज्या वेर। । यह नविव र्दिन ग्रम्थ निव्य मेगान्त्रे माने स्था । विवा ये केव में वास्य भी माने । विवा ये केव से वास्य भी माने । र्वे मार रुवर वशुराय से राया । श्रें सुराई सार्या के सरसा मुसा सा श्रिमाय के वर्षाम्वराष्ट्रीतःवेषान्यम् । मिर्नेत्रायविष्याञ्चेताम्यायाम् । पर्नेते गवन ग्री क्रेंट पदे में देन भेना क्रिस्य है द स्ट मीय स्ट हे द स से गाया विदेश के त्रमञ्जीनामालेकानुः हो । क्षेत्रकानमान्यानुः तुमानवे दिनाधेनामका । दे धिकाक्षेत्रका हैन क्रेंन क्रेंन चित्र मानवर क्रेंन धेवा । गाने याया गत्याया यह गये धेवा हता हु गा हु गवे। । ने वे

वसायर सेसरा पर से प्रवाय प्रवाय प्रवाय । वावि थे प्रस्य सु रे पर रास्य सुरा प्र वन्नरानुदे नुरान्दे से नार्या मुराधिन। क्रिंट गिले निरान्ति गर्या भेगारा परि क्रिंट र्रे दी। शिस्रमाने निर्मानिया विवादिन विवासिया विवासित विवासिया विवासित विवासि ने। गाबुर-नर-विदेशनाविक्याहिंगाविन-व्याविन। । ने श्रीन-पाबुर-विदेशहंगान्य-व्याविक्याहिंगान्य-व्याविक्याहें गाबुर-विदेशहंगान्य-व्याविक्याहें गाबुर-विदेशहंगान्य-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विव्याविक्याहें गाबुर-विक नदी नहीरशरेगानहोरासेनाश्यास्त्रेशास्त्रेना । इसागुन्सर्केगास्वास्त्रास्त्रास्त्र र्रे त्या । म्हार्स्ट्रियाववर्स्ट्रेट् सेट् सेट मीर्याय नियाय । से स्कु से युदे स्व महत्वाय वर् उत्। । नर्देशसेन्दे मुन्देशसेन् सुन् सुन्। । ह्ना कन्स मन्दे व सुन् नरे नगवःषः सेन्। । नर्गेन्सः वर्गेषः नस्रुवः नर्देशः इस्रशःषशः सन्तनः ग्रुटः। । ह्राः वर्गः गुनासबदे।प्रशायेवायानहेवावस्य । वासूनानहेन्यासनायासूनार्थे सार्वे । कु यक्षत्रभुदिःषायादियावदिवागयय। । यानेरःकेवःकैयाग्रीःमुयादेःयकैयाग्रीदायय।

र्ने क्यायार्र्य्याये हिर्माया धेर्म्या विष्युराय्यायाया हे सिंध्रेया स्र न्या न्यायान्याकेयामुयानश्रवाययेग्याश्रम्याया । नहेवावयायेययार्वेन्यन्त्राय मैंयानान्ता । पेरियावहें वायवियाम्याम्यान्येयायवे क्यावर्धे ना । पाववारे वायवयायया गश्रम्भारेश्वा । निर्देन् ग्रेन् केंगामी ग्रुन अवयया नहेन् न्या । निर्देन् ग्रुने ग्रुनः अवयः निर्देशः पाष्ठेश। निर्देशः अतः निर्देशः पाष्ठेशः निर्देशः सेनः निर्देशः निर्वा । वयः र्रात्री न रेते अळअअअअर्भे स्री वर्षे वर्षे वर्षे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर